आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

लाह की खेती द्वारा आजीविका सृजन

स्थान : कुटाम, तोरपा, खूंटी **दिनांक : 04.03.2022**

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के सफल निर्देशन एवं समूह समन्वयक अनुसंधान के मार्गदर्शन में दिनांक 04.03.2022 को संस्थान के एक दल श्री एस.एन.वैद्य, श्री सुभाष चंद्र, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार के द्वारा "लाह की खेती द्वारा रोजगार सृजन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम फील्ड ग्राम स्तर पर आयोजित किया गया जिसमे लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ग्राम प्रधान श्री बंधन डोडराय ने संस्थान द्वारा कुटाम ग्राम को प्रदर्शन ग्राम के रुप में विकसित किये जाने की प्रशंसा की। श्री रंजीत मांझी ने ग्रामीणों से कहा कि वन उत्पादकता संस्थान द्वारा इस ग्राम के लिए किये जा रहे कार्य सराहनीय है। कुछ केंचुआ खाद तैयार हो चुके हैं तथा काफी मात्रा में खाद तैयार होने की स्थिति में है। लाह की खेती अपनाकर ग्रामीण भाई अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते है।

श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने लाह की खेती से आजीविका सृजन पर विस्तृत जानकारी दी। पोषक वृक्षों की उपलब्धता, पलास, बेर एवं कुसुम पर लाह खेती के फायदें तथा फ्लेमेजिया पौधा तैयार करने से लेकर फ्लेमेंजिया पर लाह उत्पादन के तरीकों को विस्तार से बताया। श्री पंडित ने अन्य फसल एवं लाह की खेती से प्राप्त आय-व्यय का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया।

श्री एस.एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पलास, बेर एवं कुसुम पर लाह लगाने की पूरी प्रक्रिया को बताते हुए खण्ड प्रणाली, लाह बीज की गुणवत्ता, लाह बीज पहचान तथा अन्य जानकारी भी उपलब्ध कराया।

श्री सूरज कुमार, वरिष्ट तकनीकी सहायक ने लाह पोषक वृक्षो की विस्तृत जानकारी देते हुए लाह के बाजार के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी।

श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक-डी ने कीट प्रबंधन के विषय में बताते हुए हानिकारक एवं लाभदायक कीटों की विस्तार से चर्चा की। लाह कीट को लाभदायक कीट बताते हुए इसमे लगने वाले दुश्मन कीट (मोथ) के विषय में बताते हुए उन्होने दुश्मन कीट से बचाव के उपाय भी बताया।

परिचर्चा में श्री डेविड डोडराय, गोविंद दोडराय एवं अन्य द्वारा पूछे गये सवालों का दल द्वारा सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। तेजू पूर्ति द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची